समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | **Monday, 21 September 2026**

श्रीगंगानगर मे खुलेगा दुग्ध चिलिंग प्लांट, दुग्ध उत्पादकों को मिलेगा सुरक्षित भंडारण और बेहतर प्रबंधन : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राजेश चौधरी

Published on 17 Aug 2026

▯▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯▯ | ▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯ | ▯▯▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯▯

राजस्थान के **श्रीगंगानगर जिले मे दुंग्ध चिलिंग प्लांट की स्थापना** की घोषणा मुख्यमंत्री **भजनलाल शर्मा** ने की है। सरकार के इस निर्णय से क्षेत्र के दुग्ध उत्पादकों को दूध के सुरक्षित भंडारण और बेहतर प्रबंधन की सुविधा मिलने की उम्मीद है। साथ ही स्थानीय स्तर पर दुग्ध व्यवसाय को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार और समृद्धि के नए अवसर भी पैदा होने की संभावना है।

दुग्ध उत्पादकों को मिलेगा सुरक्षित भंडारण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि श्रीगंगानगर में दुग्ध चिलिंग प्लांट की स्थापना से दुग्ध उत्पादकों को दूध के **सुरक्षित भंडारण एवं बेहतर प्रबंधन** की सुविधा उपलब्ध होगी।

दूध की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उचित भंडारण व्यवस्था महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में चिलिंग प्लांट की स्थापना से स्थानीय दुग्ध उत्पादकों को अपनी उपज के बेहतर प्रबंधन में मदद मिलने की उम्मीद है।

स्थानीय दुग्ध व्यवसाय को मिलेगा प्रोत्साहन

सरकार के अनुसार, इस प्लांट की स्थापना से श्रीगंगानगर क्षेत्र में **दुग्ध व्यवसाय को प्रोत्साहन** मिलेगा। इससे दूध उत्पादन से जुड़े किसानों और अन्य लोगों के लिए आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर विकसित हो सकते हैं।

दुग्ध क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इससे जुड़े व्यवसायों को मजबूत करने से स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

रोजगार और समृद्धि के नए अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुग्ध चिलिंग प्लांट की स्थापना से क्षेत्र में **रोजगार तथा समृद्धि के नए अवसर** सृजित होंगे।

प्लांट के माध्यम से दूध के संग्रहण और प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियों को व्यवस्थित करने में मदद मिल सकती है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर

राज्य सरकार दुग्ध उत्पादकों के हितों को प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, श्रीगंगानगर में दुग्ध चिलिंग प्लांट की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरकार का मानना है कि बेहतर डेयरी infrastructure से दूध की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलेगी और दुग्ध उत्पादकों को भी लाभ मिल सकता है।

किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कदम

दुग्ध व्यवसाय ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवारों की आजीविका का आधार है। ऐसे में दूध के सुरक्षित भंडारण और बेहतर प्रबंधन की सुविधा उपलब्ध होने से दुग्ध उत्पादन से जुड़े किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से न केवल दूध की गुणवत्ता बनाए रखने में सहायता मिलेगी, बल्कि **किसानों की आय मे वृंद्धि** की दिशा में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

श्रीगंगानगर मे प्रंस्तावित दुग्ध चिलिंग प्लांट को क्षेत्र के दुग्ध उत्पादकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे दूध के सुरक्षित भंडारण एवं बेहतर प्रबंधन की सुविधा मिलने के साथ स्थानीय दुग्ध व्यवसाय, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार द्वारा इसे दुग्ध उत्पादकों के हित और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/राजेश चौधरी, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.